

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7, अंक: 05, रविवार, 15 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8



9471060219, 9470050309



www.bordernewsmirror@gmail.com



“राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा” पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के “लेट्स टॉक” कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

घोषणा @ मोतिहारी

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम “लेट्स टॉक” का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन



प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार.....

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, “प्राथमिक क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक

सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।” सैम्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीआईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, “यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विरलक्षण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के

रूप में देखना चाहिए।” श्री मनोज खोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, “सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।” श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, “राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।”

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन.....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि—

• परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

• मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।

• पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं।

• समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाईंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर डॉ. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं डॉ. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि “राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा” केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सरावत माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय....

कार्यक्रम में शामिल सभी विद्यार्थियों ने बताया कि मंच द्वारा “राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा” की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक बुलेटिन

www.aapkiawaaznews.in

बेटी बचाओ



बेटी पढ़ाओ



आपकी आवाज

नई दिल्ली, समस्तीपुर से एक साथ प्रकाशित

तेज खबर तेज असर

वर्ष: 04

अंक: 296

रविवार 15 फरवरी 2026

पृष्ठ - 06

मूल्य: 3 रुपये

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा" पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के लेट्स टॉक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

अमरगढ़ नारायण प्रसाद घटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष केसबुक लाइव कार्यक्रम 'लाइव टॉकिंग का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा सेवा एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को निराश्रयों का विस्तार से सलाह देकर कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की प्रक्रिया, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी के रणनीति

तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से संधे संधाई किया। विशेषज्ञों के विचार.... श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा परीक्षकार, गोंयगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। श्री संजय अमृत मोहन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, समस्तीपुर, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश

डालते हुए कहा, इस परीक्षा विद्यार्थियों में सर्वांक समता, समझ और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि शैक्षणिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। श्री मनीष चौरा (प्रिंसिपल, पटौली) ने अतिरिक्त प्रश्नों को रखने बताने हुए कहा, इससे दमन, समय पर परीक्षा और निर्धारित अभ्यास-वे तौर पर छात्रों को ध्यान तक पहुँचाती है। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। श्री सौमित्र शंकर (विषय विशेषज्ञ) ने छात्रों को रणनीति



अवधारणात्मक अभ्यास, अवसर है। निरंतर अभ्यास से मॉडल प्रश्नों का अभ्यास ही अतिरिक्त विकास प्रक्रिया है। और समय प्रबंधन अत्यंत है।

विद्यार्थियों को मिले व्यावहारिक मार्गदर्शन.... लाइव सत्र में विद्यार्थियों को सलाह दी गई- * परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम को मजबूत रखें। * सर्वांक क्षमता के छात्रों के लिए निर्यात अभ्यास आवश्यक है। * पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे उपाय साधन हैं। * समयबद्ध अभ्यास और सम-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टैकिंग कल टीचर्स डॉ. शिवेंद्र प्रकाश सुभक्त के विचार....

श्री शिव कुमार एवं डॉ. शिवेंद्र प्रकाश सुभक्त ने संयुक्त रूप से कहा कि "राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा" के माध्यम से छात्रों को सही शैक्षणिक और आर्थिक रूप से समर्थन देकर छात्रों के सपने को आगे बढ़ाने का सकारात्मक प्रयास है। छात्रों को सही और सफलता के लिए सलाह दी गई। टीचर्स ऑफ बिहार की पहल कार्यक्रम में शामिल सभी अधिकारियों ने बताया कि यह योजना राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कक्षा, मॉडल पेपर और अभ्यास सामग्री

उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को सुव्यवस्थापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस फल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जल्दी से लागू करने में मदद करेगा। इस लेख टीचर्स ऑफ बिहार का संकलन और संतुष्टि कुमार श्री एवं श्रीमती दीपिका ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रेरित प्रकाश सेवा कुमार एवं प्रेरित मॉडल संयोजक मधुसूदन कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

हिन्दी दैनिक

RNI NO-UPHIN/2011/39067

आशंका बुलेटिन

Email-ashankabulletin000@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित



वर्ष- 15 अंक- 212

लखनऊ, टिवाट, 15 फरवरी 2026

पृष्ठ-4

मूल्य- 1 रुपये

मल्लराज राष्ट्रीय को दिया वृद्धावन रामकृष्ण...

‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा’ पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के ‘लेट्स टॉक’ कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम ‘लेट्स टॉक’ का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार..... श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा,

‘ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़

जाती है।’

सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा,

‘यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण

चयन तक पहुँचाती है। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।’

श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा,

‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी

के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

इ मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।

इ पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन है।

छात्रवृत्ति योजना परीक्षा’ केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सारहनीय....

कार्यक्रम में सामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा ‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा’ की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।



कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।’

श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा,

‘सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास-ये तीन बातें छात्रों को

के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।’ विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन.....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि-

इ परीक्षा की तैयारी कक्षा 8

इ समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि ‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा

विदिशा जागरण

प्रदेश का निर्भीक समाचार पत्र

सुविचार

■ गुलत तो बहुत से
लोगो के साथ होता
है पर ये आप के
ऊपर है आप उसे
सही कैसे करते है।

प्रधान संपादक: आर. के. वासुदेव (बॉस)

भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, सागर से प्रसारित

प्रबंध संपादक - योगेंद्र वासुदेव, स्थानीय संपादक - के. के. अच्युत

Email : rkstudio.vds@gmail.com

■ वर्ष : 08, अंक : 191, मूल्य 2 ₹, पृष्ठ : 8 ■ विदिशा, रविवार 15 फरवरी - 2026

सह संपादक : राकेश कुमार विश्वकर्मा

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

विदिशा जागरण पत्रक मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा अखिल भारतीय फेसबुक लाइव कार्यक्रम 'सेन्ट्रस टॉक' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा सेवा एवं प्रतिभा अभिवृद्धि तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को विद्यार्थियों का विस्तार से सम्पादन किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के माहल पर विस्तार से चर्चा हुई। बढ़ी संख्या में विद्यार्थियों

और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सौंपे संवाद किया।

विद्यार्थियों के विचार.... श्री योगेश कुमार (शिक्षा शिक्षा पदधिकारी, पोपलसरा) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, 'प्रमाण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यार्थियों सार पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सेन्ट्रस ऑनलाइन मोड (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की जयश्रीला पर प्रकाश डालते हुए कहा - यह राष्ट्रीय विद्यार्थियों में उत्थिंक क्षमता, समग्र और निरालेखन कोशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की



प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।
श्री मनोज बोस (प्रमुख शिक्षा पदधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बखाने हुए कहा,

'सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और निर्धारित अप्पाम-ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। श्री रमेशंद्र शंकर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति स्पष्ट करते हुए कहा, 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, रीजल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अप्पे आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही क्षमताविकास विकसित होता है।'

विद्यार्थियों को मिल ब्यावहारिक मार्गदर्शन....

लक्ष्य सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि-
* परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मानक समग्र से करें। * मार्गीक क्षमता के प्रश्नों के लिए निर्धारित अभ्यास आवश्यक है।

* पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं। * समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर डॉ. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.... श्री शिव कुमार एवं डॉ. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा' केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के स्वप्नों को अपने बखाने का सरल माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय.... कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अतिथियों ने बताया

कि मंच द्वारा 'राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा' की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, रीजल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस सेन्ट्रस टॉक कार्यक्रम का संवादन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति वैपली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रबन्धक रमेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृणुजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

मौर्य ध्वज एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर हिन्दी साप्ताहिक

RNI NO:- BIHHIN/2017/74970

खबरों का संसार

15 फरवरी 2026 (रविवार) मुजफ्फरपुर

वर्ष -9 अंक-06

मूल्य- रु. 2/- कुल पृष्ठ-8

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के लेट्स टॉक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

डॉ. बिपिन बिहारी मौर्य, को-ऑर्डिनेटर मौर्य ध्वज एक्सप्रेस, में।

पटना।

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम लेट्स टॉक का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से

चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया। विशेषज्ञों के विचार..... श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सैयद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीआईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, सही



दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति स-

झा करते हुए कहा, राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से

ही आत्मविश्वास विकसित होता है। विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन..... लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि—परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें। * मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है। * पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं। * समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार..... श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी

से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय.... कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

शिवरात्रि के अवसर
बहुरिचों के स्वागत के

पेज 03



एक खंडहर बने घर में दो
मायनों का जीवन जीते हुए

पेज 04



खेत भागना के बाद बिहार में
वर्द्धि बड़े-बड़े खेतों पर

पेज 07



रविवासीय

खबरों की तह तक

www.khabronkitahtak.com

वर्ष 12 | पेज 07 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | टैक्स, तैयार, 15 फरवरी, 2026

RN. NO.: JHAMIN/2014/55540

निर्देश और निष्पक्ष



बैटल के
छात्रों को
टिचर्स
रिज्यू लाइव
है लाइव

पेज 10

‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा’ पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के ‘लेट्स टॉक’ कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

खबरों की तह तक

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम ‘लेट्स टॉक’ का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार

योगेश कुमार (जिला शिक्षा



पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सैयद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह परीक्षा विद्यार्थियों में ताकिक क्षमता, समझ और विवेचन कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा

नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुंचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा, राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन,

मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है। विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है। पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन हैं। समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार श्री शिव कुमार एवं ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि ‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा’ केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार की पहल सराहनीय कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा ‘राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा’ की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएं, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार खरे एवं दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

www.newsparivahan.com



परिवहन विशेष

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :- F.2 (P-2)
Page/2/023

वर्ष 03, अंक 347, नई दिल्ली, रविवार 15 फरवरी 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट डैनिक समाचार पत्र

03 शिव और शक्ति के मिलन का महापर्व है महाशिवरात्रि।

06 बचपन वाला बिकला और कल्पना में उलझ हुआ है

08 मेघा में हरिद्वार सड़क पर आगन नही होनी लंबी रातों पलटने पर चलने के लिए

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा" पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

परिवहन विशेष न्यूज

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राज्य शिक्षा रोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से संधे संवाद किया।

विशेषज्ञों के विचार.....

श्री योगेश कुमार (जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोपालगंज) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा,

"ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।"

सैयद अब्दुल मंडन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससोईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा,

"यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि नैतिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए।"

श्री मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा,

"सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन



फॉर्म भरने के बाद हमें पता चला कि ई शिक्षा कोष पर ही चलती था, फॉर्म भी भरा गया है अब स्कूल में सूचना देने पर स्कूल का NMM स्वयं से या डीईओ ऑफिस से जाकर बुद्ध करवा दिया गया है, समस्या अब यह है कि जन्मतिथि फॉर्म में पुनः बुद्ध अब कैसे करें, दोबारा बुद्धिकरण या पुनः फिर से भरने का ऑप्शन तो आता ही नहीं है। इस समस्या से कैसे निपटा जाए

क्या है NMMSS... || जानिए हर सवाल का जवाब || Let's Talk Teachers of Bihar

तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है।"

श्री शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा,

"राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।"

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन.....

लाइव सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि—

* परीक्षा की तैयारी कक्षा 8 के पाठ्यक्रम की मजबूत समझ से करें।

* मानसिक क्षमता के प्रश्नों के लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है।

* पुराने प्रश्नपत्र और मॉडल पेपर सफलता का सबसे प्रभावी साधन है।

* समयबद्ध अध्ययन और स्व-अनुशासन से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन के विचार.....

श्री शिव कुमार एवं ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार की पहल साराहनीय....

कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने बताया कि मंच द्वारा राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएँ, मॉडल पेपर और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष कुमार खरे एवं श्रीमति दीपलती ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।



राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर



नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

f/Pratahkiran

t/Pratahkiran

i/Pratahkiran

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच

टीचर्स ऑफ बिहार के लेट्स टॉक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम लेट्स टॉक का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया। मौके पर गोपालगंज जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना एक सुनहरा अवसर है। विद्यालय स्तर पर शिक्षक यदि मार्गदर्शन दें, तो सफलता की संभावना कई गुना बढ़



जाती है। वहीं एससीईआरटी के पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक सैयद अब्दुल मोइन ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। बीईओ मनोज बोस ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा कि सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास-ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। विषय विशेषज्ञ शैलेन्द्र शंखधर ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है।

निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।

विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं शिव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा केवल छात्रवृत्ति योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों के सपनों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। सही जानकारी और समय पर तैयारी से अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार खरे एवं दीपाली ने किया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से दी है।



चम्पारण केसरी

पूर्वी चम्पारण

15 फरवरी 2026

वर्ष : 4, अंक : 212

रविवार

पृष्ठ संख्या : 08

मूल्य : 2 रुपए

राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा” पर लाइव संवाद बना विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का मंच टीचर्स ऑफ बिहार के “लेट्स टॉक” कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दिए सफलता के सूत्र

मोतिहारी। मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना के प्रति जागरूक करने और उन्हें सही दिशा देने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम “लेट्स टॉक” का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, तैयारी की रणनीति तथा छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया। सैय्यद अब्दुल मोइन (पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक, एससीईआरटी, बिहार) ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, “यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ और विश्लेषण कौशल विकसित करती है। इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास की प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। मनोज बोस (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते हुए कहा, “सही दस्तावेज, समय पर पंजीकरण और नियमित अभ्यास—ये तीन बातें छात्रों को चयन तक पहुँचाती हैं। जागरूकता ही सबसे बड़ी कुंजी है। शैलेन्द्र शंखधर (विषय विशेषज्ञ) ने तैयारी की रणनीति साझा करते हुए कहा राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तैयारी के लिए अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। निरंतर अभ्यास से ही आत्मविश्वास विकसित होता है।

पटना में "लेट्स टॉक" लाइव संवाद, छात्रवृत्ति परीक्षा को लेकर छात्रों को मिला मार्गदर्शन

e न्यूज़ संवाददाता

मेधावी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा के प्रति जागरूक करने और सही दिशा देने के उद्देश्य से पटना में जम्बीमते वठिपीत द्वारा विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक ऑनलाइन जुड़कर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किए। इस संवाद कार्यक्रम में एससीईआरटी बिहार तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों ने छात्रों की जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान परीक्षा की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा स्वरूप, तैयारी की रणनीति एवं छात्रवृत्ति के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला शिक्षा पदाधिकारी गोपालगंज योगेश कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए यह योजना सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन से विद्यार्थियों की

सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। वहीं एससीईआरटी के पूर्व दूरस्थ शिक्षा निदेशक सैय्यद अब्दुल मोइन ने कहा कि यह परीक्षा विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, समझ एवं विश्लेषण का कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण

हुए समय पर पंजीकरण, सही दस्तावेज एवं नियमित अभ्यास को सफलता की कुंजी बताया। वहीं विषय विशेषज्ञ शैलेन्द्र शंखधर ने अवधारणात्मक अध्ययन, मॉडल प्रश्नपत्रों का अभ्यास एवं समय प्रबंधन को तैयारी



भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को इसे केवल परीक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास के अवसर के रूप में देखने की सलाह दी। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज बोस ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बताते

के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोगी जानकारी मिली तथा इससे उनमें परीक्षा को लेकर जागरूकता एवं उत्साह बढ़ा है।